No. of Printed Pages : 2

एम.एच.डी.-20

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2017

00286

एम.एच.डी.-20 : भारतीय भाषाओं में दलित साहित्य

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

1. स्त्री मुक्ति के संदर्भ में चल्लापल्ली स्वरूपा रानी के साहित्यिक योगदान को रेखांकित कीजिए । *10*

2. मराठी दलित रचनाकार दया पवार का दलित साहित्य के आन्दोलन में क्या स्थान है ? विवेचना कीजिए । *10*

3. गुजराती दलित कविता के उद्‌भव एवं विकास पर एक निबंध लिखिए । *10*

4. पंजाबी दलित साहित्य में द्वारका भारती के योगदान की चर्चा कीजिए । *10*

5. ओड़िया दलित साहित्य को समृद्ध करने में संजय कुमार बाग की भूमिका को स्पष्ट कीजिए । *10*

6. 'गाँव का कुआँ' कहानी की कथावस्तु का विवेचन कीजिए । *10*

7. उपन्यास विधा की दृष्टि से 'अस्पृश्य वसंत' की समीक्षा कीजिए । *10*

8. दलित स्त्री आंदोलन के संदर्भ में बेबीताई कांबले के महत्त्व को रेखांकित कीजिए । *10*

9. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणियाँ लिखिए : *2×5=10*

   (क) 'पड़' कविता का यथार्थ

   (ख) शरण कुमार लिम्बाले

   (ग) 'मोची की गंगा' की कथावस्तु

   (घ) 'अमावस' कहानी का उद्देश्य